AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY

ACSA

Where tradition meets innovation

15 से 21 अगस्त

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

For

UPSC / RPSC EXAMS

and All Other Competitive

- बाल आधार पहल
- राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार
- स्टॉकहोम विश्व जल सप्ताह
- अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ
- उड़ान योजना
- अनाज भंडारण
- समकारी लेवी
- राजस्थान स्पेशल : प्रमुख किले

A UNIT OF

AGRAWAL P.G. COLLEGE

Agrawal PG College, Jaipur

www.acsajaipur.com

+91-8824395504, +91-8290664069

Agrasen Katla, Maharaja Agrasen Marg, Agra Road, Jaipur - 302004 (Raj.)

Weekly Current Affairs

श्री अरबिंदो घोष

संदर्भ (श्री अरबिंदो घोष :Shri Aurobindo Ghosh) की 150वीं जयंती मनाने के लिए, केंद्र सरकार भारत की 75 जेलों में 12 अगस्त से 15 अगस्त, 2022 तक आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

'श्री अरबिंदो' के बारे में:

- श्री अरबिंदो (अरविन्द घोष), 'आध्यात्मिक विकास के माध्यम से पृथ्वी पर दिव्य जीवन' के दर्शन को प्रतिपादित करने वाले एक योगी, द्रष्टा, दार्शनिक, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी थे।
- इन्होंने युवा अवस्था में वर्ष 1902 से 1910 तक स्वतन्त्रता संग्राम में क्रान्तिकारी के रूप में भाग लिया।
- बाद में श्री अरबिंदो एक योगी बन गये और इन्होंने पांडिचेरी में एक 'आध्यात्मिक साधकों' के एक संप्रदाय की स्थापना की, जो 1926 में 'श्री अरबिंदो आश्रम' के रूप में विकसित हुआ।
- वह अमेरिकी क्रांति, इटली में विद्रोह और मध्यकालीन इंग्लैंड के खिलाफ फ्रांसीसी विद्रोहों से बहुत प्रभावित थे।
- उन्होंने कांग्रेस के अधिवेशनों में भाग लिया और साथ ही वर्ष 1902 में कलकत्ता में 'अनुशीलन समिति' की स्थापना में सहयोग किया।
- उन्होंने और उनके भाई क्रांतिकारी बारिन घोष ने युगांतर पत्रिका में कई लेख लिखे, जिसने कई युवाओं को क्रांतिकारी कार्य करने के लिए प्रेरित किया।
- वे 'बंदे मातरम' जैसे समाचार पत्रों का संपादन करने वाले पत्रकार भी थे।
- मई 1908 में, अरबिंदो को 'अलीपुर षडयंत्र केस' के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।
- 1914 में उन्होंने 'आर्य पत्रिका' का प्रकाशन शुरू किया।
- उन्होंने काफी संख्या में रचनाएँ की। उनकी सबसे प्रख्यात साहित्यिक उपलब्धि 'सावित्री' थी। इस महाकाव्य कविता में लगभग 24000 पंक्तियां हैं।
- उन्होंने एक प्रकार का योग विकसित किया जिसे 'एकात्म योग' (Integral Yoga) कहा जाता है।

राष्ट्रवाद का उनका सिद्धांत:

श्री अरबिंदो घोष को भारतीय राष्ट्रवाद का पैगम्बर माना जाता था। बंकिमचंद्र, तिलक और दयानंद के साथसाथ-, उन्होंने भारत में राष्ट्रवाद के सिद्धांत को विकसित किया।

- श्री अरबिंदो का राष्ट्रवाद का सिद्धांत, वेदांत दर्शन पर आधारित था, जिसमें 'मनुष्य और ईश्वर' में एकरूपता और एकात्मकता की बात कही गयी थी।
- उन्होंने कहा कि, भारत वास्तव में 'भारत माता' है जो अपने लाखों बच्चों की एकजुट शक्ति और सत्ता का प्रतिनिधित्व करती है। भारत माता, अपने लोगों की अनंत ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है उन्होंने भारत माता : को ईश्वर की तरह बताया और कहा कि यह भारत को स्वतंत्र कराना, ईश्वर का दिव्य मिशन है।

- उन्होंने कहा कि गांवों को अपनी स्वायत्तता और स्वशासन कायम रखना चाहिए, लेकिन साथ ही, 'राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की कोशिश करनी चाहिए। 'राष्ट्रीय स्वराज' का आदर्श, 'आत्मनिर्भर, स्वायत्त और स्वशासी, पुराने ग्राम समाज' पर आधारित होना चाहिए।

नवरोज उत्सव (पारसी नव वर्ष)

संदर्भ: नवरोज़ का त्यौहार, उत्तरी गोलार्ध में वसंत विषुव के समय मनाया जाता है। इस (वसंत की शुरुआत का प्रतीक) वर्ष भारत में नवरोज़16 अगस्त को मनाया जा रहा है।

नवरोज के बारे में:

'नव' = नया और 'रोज़' = दिन, जिसका अर्थ है 'नया दिन' (फ़ारसी भाषा में(नवरोज़, पारसियों (पारसी) और मुसलमानों के लिए नए साल का जश्न है। (शिया और सुन्नी दोनों)

यह त्यौहार विश्व स्तर पर मार्च में मनाया जाता है, ईरानी कैलेंडर के अनुसार, भारत में नवरोज 200 दिन बाद आता है और अगस्त के महीने में मनाया जाता है क्योंकि यहां के पारसी शहंशाही कैलेंडर का पालन करते हैं जिसमें लीप वर्ष नहीं होता है।

- 1079 ईस्वी में, जलालुद्दीन मालेकशाह नामक एक फारसी राजा ने राजस्व बढ़ाने और लोगों से कर एकत्र (ईरानी) करने के लिए इस त्योहार की शुरुआत की थी।
- यह त्यौहार, 21 मार्च को वसंत की शुरुआत और विषुव के दिन को चिह्नित करने के लिए मनाया गया था।
- यह यूनेस्को की 'भारत की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची' में अंकित है।
- भारत में इसे 'जमशेद नवरोज' के नाम से जाना जाता है।

पारसी धर्म (Zoroastrianism):

यह प्राचीन ईरान में पैगंबर जरथुस्त्र द्वारा 3,500 साल पहले बनाई गई सबसे पहले ज्ञात एकेश्वरवादी धर्मों में से एक है।

- 650 ईसा पूर्व से 7वीं शताब्दी में इस्लाम के उदय तक यह फारस का आधिकारिक धर्म था। इस्लाम के आने के साथ कई पारसी भारत और पाकिस्तान में पलायन कर गए। (गुजरात)
- भारत में पारसियों के सबसे बड़े एकल समूह पाया जाता है, जिनकी आबादी वर्तमान में लगभग 61000 है। दुनिया की आबादी में लगभग 2.6 मिलियन पारसी है।
- भारत में 'पारसी' एक अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय है।

अन्य नव वर्ष:

- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, (वैदिक) कैलेंडर के नए साल की शुरुआत। (हिंदू)
- गुड़ी पड़वा और उगाडी।
- नवरेह ।(कश्मीर में चंद्र नव वर्ष)
- साजिबू चीराओबा ।(द्वारा मनाया जाता है (मणिपुर) मेतेई समुदाय)
- चेती चाँद ।(सिंधी द्वारा)
- लोसूंग ।(सिक्कीमी नया साल)

बाल आधार पहल

संदर्भ अप्रैल से जुलाई तक :'विशिष्ट पहचान प्राधिकरण' की 'बाल आधार पहल' (Bal Aadhaar initiative) के तहत पांच वर्ष तक की आयु के 7.9 मिलियन से अधिक बच्चों को नामांकित किया जा चुका है।

विवरण:

- बाल आधार मानक 'आधार कार्ड' का पूर्ववर्ती रूप है, और यह पांच साल तक के बच्चों के लिए 'नीले रंग' में जारी किया जाता है। 'बाल आधार कार्ड' की निर्धारित अवधि पूरी होने पर, एक कार्ड धारक को नियमित-'आधार' जारी किया जाता है।
- लाभ: 'बाल आधार' कई कल्याणकारी लाभों को प्राप्त करने में एक सूत्रधार के रूप में काम करता है, और बच्चों के लिए एक डिजिटल फोटो पहचान के रूप में भी काम करता है।

नियमित आधार कार्ड एवं बाल आधार में अंतर: कार्डधा-रक की विशिष्टता स्थापित करने के लिए 'आधारकार्ड-' की भांति 'बाल आधार' के मामले में बायोमेट्रिक्स एकत्र नहीं किए जाते हैं। इसके बजाय पंजीकरण के लिए बच्चे की चेहरे की छवि ली जाती है। पंजीकरण के समय माताअभिभावक का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और संबंध दस्तावेज/पिता- का प्रमाण, अधिमानतः एक जन्म प्रमाण पत्र एकत्र किया जाता है।

बाल आधार की 'भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक' (CAG) द्वारा आलोचना: 'बाल आधार' नामक एक पहल के तहत बिना बायोमेट्रिक्स के बच्चों और नवजात शिशुओं को आधार कार्ड जारी करने के UIDAI के कदम की भी ऑडिट आलोचना की गई थी। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है क्योंकि वैसे भी 5 साल बाद बच्चे को नए नियमित आधार के लिए आवेदन करना होता है।

UIDAI के बारे में:

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण दिनांक 12 जुलाई, 2016 को भारत सरकार द्वारा स्थापित एक सांविधिक प्राधिकरण है।

- इसकी स्थापना आधार वित्तीय और अन्य सहायकियों), प्रसुविधाओं और सेवाओं के लक्षित परिदान (अधिनियम", 2016 ('आधार अधिनियम 2016') के उपबंधों के अंतर्गत की गई थी।
- मूल निकाय: 'इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय' के अधिकार क्षेत्र में काम करता है।
- प्रारंभ में, UIDAI की स्थापना भारत सरकार द्वारा जनवरी 2009 में योजना आयोग के तत्वावधान में एक संलग्न कार्यालय के रूप में की गई थी।
- अधिदेश: यूआईडीएआई को भारत के सभी निवासियों को 'आधार' नामक 12-अंकीय विशिष्ट पहचान संख्याक जारी करने का कार् (यूआईडी)य सौंपा गया है।
- प्रदर्शन: 31 अक्टूबर 2021 तक, UIDAI ने 131.68 करोड़ आधार नंबर जारी किए थे।

मूल कर्तव्य

संदर्भ: भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि 'मौलिक कर्तव्य' (Fundamental duties) केवल आडंबरी या दिखावे के लिए नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक परिवर्तन की कुंजी हैं।

- मूल कर्तव्यों का उद्देश्य, सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए नागरिकों का मार्गदर्शन करना है।
- संविधान ने हमें कुछ अविच्छेद्य अधिकार प्रदान किए हैं, और साथ ही हमारे लिए कुछ मौलिक कर्तव्य भी निर्धारित किए हैं।
- मौलिक कर्तव्य नागरिकों के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करते हैं कि अपने अधिकारों का लाभ लेते हुए, उन्हें अपने देश, अपने समाज और अपने साथी नागरिकों के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति भी सचेत रहना होगा।

मूल संविधान में 'मूल कर्तव्यों' (Fundamental Duties – FD) से संबंधित कोई प्रावधान नहीं किया गया था।

- भारत के संविधान में इस खंड को '42वें संशोधन अधिनियम' के माध्यम से 'स्वर्ण सिंह समिति' की सिफारिशों के आधार पर जोड़ा गया था। वर्ष 2002 में, इस सूची में एक और मूल कर्तव्य को जोड़ा गया।
- इस खंड की अवधारणा 'सोवियत संघ' के संविधान से ली गयी थी।
- अन्य लोकतांत्रिक राष्ट्रों में संभवतः एकमात्र 'जापानी संविधान' में अपने नागरिकों के कर्तव्यों से संबंधित प्रावधान शामिल किए गए हैं।
- राज्य के नीति) निदेशक तत्त्वों-Directive Principles of State Policy – DPSP) की भांति 'मूल कर्तव्य' भी प्रकृति में गैरन्यायो-चित होते हैं।

नागोर्नोकाराबाख़ संघर्ष -

संदर्भ आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच :'नागोर्नोकाराबाख़ क्षेत्र-' (Nagorno-Karabakh region) पर संघर्ष दशकों से तीन प्रमुख युद्धों और कई संघर्षों के केंद्र में रहा है। हाल ही में, अजरबैजान ने, एक अर्मेनियाई हमले के बाद एक अज़रबैजानी सैनिक के मारे जाने के बाद कराबाख में क्षेत्र पर कब्जा करने के दावा किया था।

नागोर्नो काराबाख़ क्षेत्र को आर्त्शाख़-नाम से भी जाना जाता है। यह काराबाख़ पर्वत श्रेणी में स्थित दक्षिण काकेशस का स्थलरुद्ध क्षेत्र है।

- यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अज़रबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है, लेकिन इसकी आबादी बहुसंख्यक अर्मेनियाई है।
- 1980 के दशक में सोवियत संघ के घटक गणराज्यों में बढ़ते तनाव के दौरान, नागोर्नो काराबाख़ क्षेत्र के लोगों- द्वारा आर्मेनिया में शामिल होनेके लिए मतदान किया था, जिसके बाद युद्ध छिड़ गया और 1994 में युद्ध विराम के साथ इसका अंत हुआ।

संघर्ष: पिछले साल विवादित नागोर्नो काराबाख़ में आर्मेनिया द्वारा फिर से कब्जा किए गए क्षेत्र में एक संक्षिप्त युद्ध- हुआ था।

मंडला कला

संदर्भ: लिवरपूल के निवासी, पत्तियों और छोटे छोटे पत्थरों जैसी सामग्री से निर्मित लंबाई में लगभग डेढ़ फुटबॉल पिच- के बराबर की एक'मंडला कलाकृति' पर आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं। यह कलाकृति, कलाकार जेम्स ब्रंट द्वारा बनाई गई है।

- 'मंडला' (Mandala) एक ज्यामितीय डिजाइन या पैटर्न है, जिसमे विभिन्न स्वर्गीय दुनियाओं में ब्रह्मांड या देवताओं का चित्रण किया जाता है। 'मंडला' कलाकृतियाँ, डिजाइन और ब्रह्मांड की समरूपता में शांति पाने के बारे में होती है। मंडला पैटर्न, सदियों पुराने प्रतीकों और ब्रह्मांड को चित्रित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।
- हालाँकि, इसे एक वर्ग के आकार में भी बनाया जा सकता है, और मंडल पैटर्न अनिवार्य रूप से परस्पर जुड़े हुए होते हैं।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार-2022

'गोपाल रत्न पुरस्कार' पशुधन और डेयरी क्षेत्र के क्षेत्र में दिए जाने वाले सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक है।

- यह पुरस्कार, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अधीन 'पशुपालन और डेयरी विभाग' द्वारा प्रदान किए जाते हैं।
- उद्देश्य: इस क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों और डेयरी सहकारी समितियों डेयरी / दुग्ध उत्पादक कंपनी / किसान उत्पादक संगठनों को तीन श्रेणियों में सम्मानित करना।

- "राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)" देश में पहली बार दिसंबर 2014 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य स्वदेशी गोजातीय नस्लों को वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित और विकसित करना था।

राज्य की योजनाओं के लिए आयुष्मान कार्ड का उपयोग मान्य

आयुष्मान भारत(प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना -AB-PMJAY) के 'लाभार्थी कार्ड' का उपयोग अब किसी भी मौजूदा राज्य स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किया जा सकता है। साथ ही, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) द्वारा केंद्र एवं राज्य दोनों की योजनाओं के नाम और नए कार्डों पर AB-PMJAY के 'लोगो' के साथ 'सहब्रांडिंग-' की अनुमति भी दी गयी है।

आयुष्मान भारत:

- स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

PM-JAY की प्रमुख विशेषताएं:

- आयुष्मान भारत 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (PM-JAY), सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित, विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा आश्वासन योजना है। /
- यह योजना भारत में सार्वजनिक व निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य उपचार के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की धन राशि लाभार्थियों को मुहया कराती है।
- इस योजना में सेवास्थल पर लाभार्थी के लिए कैशलेस स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को उपलब्ध कराया जाता है।-
- AB-PMJAY योजना को पूरे देश में लागू करने और इसके कार्यान्वयन हेतु 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण' (National Health Authority – NHA) नोडल एजेंसी है।
- यह योजना, कुछ केंद्रीय क्षेत्रक घटकों के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना है।

योजना के अंतर्गत पात्रता:

- इस योजना के तहत परिवार के आकार, आयु या लिंग पर कोई सीमा नहीं है।
- इस योजना के तहत पहले से मौजूद विभिन्न चिकित्सीय परिस्थितियों और गम्भीर बीमारियों को पहले दिन से ही शामिल किया जाता है।
- इस योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने से 3 दिन पहले और 15 दिन बाद तक का नैदानिक उपचार, स्वास्थ्य इलाज व दवाइयाँ मुफ्त उपलब्ध होतीं हैं।
- यह एक पोर्टेबल योजना हैं यानी की लाभार्थी इसका लाभ पूरे देश में किसी भी सार्वजनिक या निजी सूचीबद्ध अस्पताल में उठा सकतें हैं।

- इस योजना में लगभग 1,393 प्रक्रियाएं और पैकिज शामिल हैं जैसे की दवाइयाँ, आपूर्ति, नैदानिक सेवाएँ, चिकित्सकों की फीस, कमरे का शुल्क, ओयू शुल्क इत्यादि जो मुफ़्त उपलब्ध हैं।-सी-टी और आई-
- स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निजी अस्पतालों की प्रतिपूर्ति सार्वजनिक अस्पतालों के बराबर की जाती है।

स्वास्थ्य केंद्र:

'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (PM-JAY) के तहत, 1.5 लाख उप-केंद्रों को 'स्वास्थ्य केद्रों' में परिवर्तित किया जा चुका है, ये केंद्र हृदय रोगों का पता लगाने और उपचार, सामान्य कैंसर की जांच, मानसिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, आंखों की देखभाल आदि जैसी अधिकांश सेवाओं को पूरा करेंगे।

सम्बंधित खबर:

सरकार द्वारा ट्रांस व्यक्तियों के लिए 'स्वास्थ्य बीमा' प्रदान किया जाएगा।

- आयुष्मान भारत योजना के तहत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को हर साल 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा।
- बीमा पॉलिसी में 'सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी' भी शामिल होगी।
- ट्रांस व्यक्तियों को जारी किए गए स्वास्थ्य कार्ड, उनके परिवार के सदस्यों को कवर नहीं करेंगे।
- ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए, राष्ट्रीय पोर्टल द्वारा जारी ट्रांसजेंडर प्रमाण पत्र धारकों को लाभ दिया जाएगा।

MCA21 संस्करण -3

संदर्भ :MCA21 संस्करण-3.0 एक प्रौद्योगिकीलुकिंग प्र-संचालित फॉरवर्ड-ोजेक्ट है, जिसे प्रवर्तन को सशक्त करने, व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ावा देने और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए परिकल्पित किया गया है।

MCA21 के बारे में:

- MCA21 'कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय' (MCA) की एक ईगवर्नेंस पहल है जो भारत के कॉर्पोरेट संस्थाओं-, पेशेवरों और नागरिकों के लिए MCA सेवाओं की आसान और सुरक्षित पहुँच प्रदान करता है।
- इससे व्यापारिक समुदाय को अपने वैधानिक दायित्वों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

'निच' बैटरी विकसित करने के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना (पीएलआई)

संदर्भसरकार ने जलवायु लक् :ष्यों को हासिल करने और जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए 'निच' बैटरी विकसित करने के लिए लगभग 500 मिलियन डॉलर मूल्य के उत्पादन संबद्ध छूट देने की पेशकश करने की-योजना बनाई है।

- अन्य PLI योजनाओं के विपरीत, जहां विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, यह नया उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई)"निच उन्नत रसायनकी सेल' पर दिया जा रहा है। इस योजना से उत्पादन के साथ साथ-नए रसायनकी सेल के अनुसंधान और विकास के लिए छूट मिलने की संभावना है।
- नई तकनीकों और बैटरी रसायनकी की खोज, भारत में लिथियम की भारी कमी की पृष्ठभूमि में हुई है।

कोराडिया आईलिंट

संदर्भ: जर्मनी ने हाइड्रोजन से चलने वाली यात्री ट्रेनों का दुनिया का पहला बेड़ा 'कोराडिया आईलिंट' (Coradia iLint) लॉन्च किया है।

- कोराडिया आईलिंट ट्रेनों की सीमा 1,000 किलोमीटर तक और अधिकतम गति 140 किमी प्रति घंटे 87 मील प्रति घंटे है
- नवीकरणीय ऊर्जा से उत्पादित हाइड्रोजन का उपयोग करके ट्रेनें एक वर्ष में 1.6 मिलियन लीटर 422,000 गैलन से अधिकडीजल ईंधन की बचत करेंगी।
- हाइड्रोजन वर्तमान में रासायनिक प्रक्रियाओं के उपोत्पाद के रूप में उत्पादित किया जाता है, लेकिन जर्मन गैस कंपनी 'लिंडे' तीन साल के भीतर केवल अक्षय ऊर्जा का उपयोग करके इसे स्थानीय रूप से उत्पादित करने की योजना बना रही है।

2024 तक पवन ऊर्जा परियोजनाओं का चरम स्तर

संदर्भ: एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नई पवन ऊर्जा परियोजनाओं की वार्षिक स्थापना 2024 तक चरम पर होगी और उसके बाद संभावित गिरावट आएगी। 2024 के बाद, नई परियोजनाओं के 'पवनसौर संकरण-' (wind-solar hybrids) होने की संभावना है।

- अभी तक केवल 40 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा सकी है।
- 2017 के बाद से भारत में पवन उद्योग की स्थापना धीमी हो रही है। 2021 में केवल 1.45 GW पवन परियोजनाएं स्थापित की गई थीं, जिनमें से कई COVID-19 की दूसरी लहर और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित व्यवधानों के कारण विलंबित थीं।

वाणिज्य विभाग का पुनर्गठन

संदर्भ: हाल ही में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा 'डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स रीस्ट्रकचरिंग डॉजियर-' (वाणिज्य विभाग की पुनर्संरचना रिपोर्ट जारी की गयी

वाणिज्य विभाग की पुनर्संरचना का उद्देश्य विश्व व्यापार में भारत को अग्रणी भूमिका में ले आना है।

पुनर्गठन का व्यापक उद्देश्य:

पुनर्संरचना पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है:

1. विश्व व्यापार में भारत के हिस्से को बढ़ाना, (2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात हासिल करना)।
2. बहुपक्षीय संगठनों में नेतृत्वकारी भूमिका अपनाना,
3. व्यापार का लोकतांत्रिकीकरण,
4. वैश्विक चैम्पियनों के रूप में 100 भारतीय ब्रांडों की रचना करना तथा
5. भारत में आर्थिक ज़ोनों की स्थापना करना।

पुनर्संरचना के लिए विशिष्ट कार्यक्रम:

- 3-टी, यानी ट्रेड, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म पर फोकस।
- प्रचार रणनीति के निर्माण और निष्पादन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित 'व्यापार संवर्धन निकाय'।
- व्यापार सुविधा प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण।
- विशेषज्ञता और संस्थागत स्मृति को बढ़ावा देने के लिए भारतीय व्यापार सेवा के डेटा और विश्लेषण पारिस्थितिकी तंत्र की मरम्मत और क्षमता निर्माण।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालयदो विभागों -, वाणिज्य विभाग और 'औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग' का प्रशासन करता है।

मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क-

संदर्भ: भारतमाला परियोजना के तहत आधुनिक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क के तेजी से विकास के लिए त्रिपक्षीय समझौता।

राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा इस त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

उद्देश्य:

- लॉजिस्टिक की लागत को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से कम करके 10 प्रतिशत पर लाना।
- कार्गो को जलमार्ग, समर्पित फ्रेट कॉरिडोर और सड़क परिवहन से स्वैप स्थानांतरित किया जाना सुनिश्चित/ करना।
- तेज, कुशल, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल लॉजिस्टिक्स मूवमेंट सुनिश्चित करना।

- पीएम गति शक्ति के माध्यम से मापनीय अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त और सक्रिय करना।

MMLP के बारे में:

- मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क रेल और सड़क मार्ग से पहुंच के साथ एक माल ढुलाई सुविधा होगी।
- 'हब एंड स्पोक मॉडल' के तहत विकसित, MMLP राजमार्गों, रेलवे और अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से माल परिवहन के कई तरीकों को एकीकृत करेगा।
- समझौता देश के भीतर लॉजिस्टिक की आवाजाही में दक्षता हासिल करने के लिए तीन निकायों के बीच सहयोग और सहयोग मॉडल को रेखांकित करता है।
- मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास के लिए 35 स्थानों की पहचान की गई है।
- भारत का पहला MMLP असम के जोगीघोपा में होगा।

परियोजनाओं के बारे में:

- भारतमाला परियोजना सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा परिकल्पित राजमार्ग क्षेत्र के लिए एक अम्ब्रेला कार्यक्रम है।
- गति शक्ति योजना (अब 110 लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन 2019 में समाहित का उद्देश्य लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समन्वित योजना और निष्पादन करना है।

तीन निकायों के बारे में:

- राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का एक विशेष प्रयोजन वाहन (एनएचएआई) है। (एसपीवी)
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण- बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत एक वैधानिक प्राधिकरण है।
- रेल विकास निगम लिमिटेड – रेल मंत्रालय के तहत एक पूर्ण स्वामित्व वाला सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।

स्टॉकहोम विश्व जल सप्ताह 2022

संदर्भ: राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा 'स्टॉकहोम विश्व जल सप्ताह' 2022 के पहले दिन आभासी सत्र की मेजबानी की गयी।

'विश्व जल सप्ताह' क्या है?

विश्व जल सप्ताह, वैश्विक जल मुद्दों पर प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है, जिसका आयोजन 1991 से 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट' (SIWI) द्वारा किया जाता है।

विश्व जल सप्ताह 2022 का विषय: "अनदेखे को देखनापानी का मूल्य :" है।

विश्व जल सप्ताहइतिहास :

- 1991 में, स्टॉकहोम शहर में मछली पकड़ना और तैरना फिर से संभव होने के उपलक्ष्य में एक सार्वजनिक जल उत्सव आयोजित किया गया था।
- इस उत्सव के हिस्से के रूप में,' स्टॉकहोम जल संगोष्ठी' नामक एक 'जल सम्मेलन' आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- यही संगोष्ठी, बाद में 'विश्व जल सप्ताह' में परिवर्तित हो गयी।

SING प्रोजेक्ट

संदर्भ: नेबुलर गैस की स्पेक्ट्रोग्राफिक जांच परियोजना, भारतीय खगोल विज्ञान संस्थान और रूसी विज्ञान अकादमी के बीच, चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए पेलोड डिजाइन करने के लिए एक 'सहयोग' है।

संबंधित चिंता: भारत के बीच तनाव के कारण, चीन ने परियोजना के भविष्य को लेकर चिंता जताई है।

'स्पेक्ट्रोग्राफ' (spectrograph) एक ऐसा उपकरण होता है जो आने वाली रोशनी को उसकी तरंग दैर्ध्य या आवृत्ति से अलग करता है और उन्हें रिकॉर्ड करता है। कई खगोलीय अवलोकन मुख्यतः स्पेक्ट्रोग्राफ के रूप में दूरबीनों का उपयोग करते हैं।

'चीन के कार्यक्रम' के बारे में:

- चीन का अंतरिक्ष स्टेशन 'पृथ्वी की निचली कक्षा' 340-450 किमीमें संचालित होगा।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को 2024 के बाद 'लूनर गेटवे' के लिए जगह छोड़ने के लिए हटा दिया जाएगा। 'लूनर गेटवे', नासा के आर्टेमिस मिशन के तहत एक छोटी बाहरी आउटपोस्ट होगी, जो चंद्रमा की परिक्रमा करेगी। इस परियोजना में चीन शामिल नहीं है।

अन्य नियोजित अंतरिक्ष स्टेशन:

- लूनर गेटवे: NASA, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी, और कैनेडियन स्पेस एजेंसी
- रशियन ऑर्बिटल सर्विस स्टेशन का निर्माण 2025 में शुरू होने वाला है।
- 'स्टारलैब': वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों के उपयोग के लिए नानोरैक द्वारा डिजाइन किए गए नियोजित 'पृथ्वी की निचली कक्षा' (LEO) अंतरिक्ष स्टेशन को 'स्टारलैब' (Starlab) नाम दिया गया है।

- भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम: गगनयान मिशन का अनुवर्ती कार्यक्रम।

श्वेत वामन (व्हाईट ड्वार्फ)

संदर्भ: हाल के अध्ययन के अनुसार, 2007 की सर्दियों वाले महीनों में दुनिया भर के खगोल भौतिकीविद सुदूर अन्तरिक्ष में एक श्वेत वामन व्हाईट ड्वार्फऔर उसके साथी तारे के ब्रह्मांडीय नृत्य से उत्पन्न हुए एक ऐसे उज्ज्वल विस्फोट के परिणामस्वरूप एक विस्फोटित नोवा के चारों ओर मोटी धूल एकत्र हो गई थी।

नए तारों की धूल के उनके अध्ययन से ऐसी धूल की प्रकृति और विशेषताओं एवं उनसे संबंधित प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिल सकती है।

नोवा क्या है?

- एक नोवा एक खगोलीय घटना है जिसमें एक अस्थायी रूप से प्रचंड विस्फोट होता है, इस प्रकार चमक उत्पन्न होती है, जोकि धीरेधीरे हफ्तों या महीनों में अंधकार में बदल जाती है।-
- यह घटना आम तौर पर एक बाइनरी सिस्टम में (पिंड के एक केंद्र के चारों ओर परिक्रमा करने वाले दो तारे) होती है, जिसमें एक सफेद बौना तारा और एक मुख्य अनुक्रम तारा होता है।

महत्व: अंतरिक्षधूल टकराव-, विभिन्न ग्रहों के बीच अत्यधिक दूरी होने के बाद भी जीवों को ग्रह पर जीवन शुरू करने के लिए प्रेरित करने का कारण हो सकता है।

केरल मंत्रिमंडल द्वारा उपकुलपति के चयन संबंधी विधेयक को मंजूरी

संदर्भ: हाल ही में, केरल के राज्य मंत्रिमंडल ने 'राज्य के विश्वविद्यालयों में उपकुलपतियों के चयन में राज्यपाल के प्रभाव को प्रभावी ढंग से कम करने संबंधी' एक विधेयक को मंजूरी दे दी है।

- महत्व: यह मुद्दा लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राज्य के मुख्यमंत्री और केंद्र द्वारा नियुक्त राज्यपाल के बीच संघर्ष को उजागर करता है।
- राज्य विश्वविद्यालयों के संदर्भ में राज्यपाल की शक्तियाँ: राज्यपाल, राज्य के विश्वविद्यालयों के पदेन कुलपति होता है।

कानूनों की व्याख्या में अंतर:

- केरल के मामले में, राज्यपाल के आधिकारिक पोर्टल के अनुसार, "राज्यपाल, राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में 'मंत्रिपरिषद' से स्वतंत्र रूप से कार्य करता है और सभी विश्वविद्यालय संबंधी मामलों पर अपने निर्णय लेता है"।

- राजस्थान के राजभवन के अनुसार, " राज्यपाल, राज्य सरकार की सलाह पर राज्य सरकार के परामर्श से राज्य / के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करता है"।
- केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए: केंद्रीय विश्विद्यालयों के उप कुलपतियों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती- है।

बाल मृत्यु दर में कमी

संदर्भ: भारत में 'बाल मृत्यु दर' (Child mortality Rate) वर्ष 2014 में जन्म के समय प्रति 1,000 बच्चों पर 45 मौतें, 2019 में घटकर 35 रह गयी है।

पालन 1000 राष्ट्रीय अभियान :'पालन 1000 – पहले 1000 दिनों की यात्रा', अपने जीवन के पहले 2 वर्षों में बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित है।

पालन 1000 मातापिता-, परिवारों और अन्य देखभाल करने वालों के लिए प्रारंभिक वर्षों के प्रशिक्षण को परिवारों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई सेवाओं के साथ जोड़ती है।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम)RBSK) के मिशन के साथ जोड़ा गया है, जिसमें पहले 1000 दिनों में दायित्वपूर्ण देखभाल और हस्तक्षेप पर बल दिया गया है।

पहले 1,000 दिनों का महत्व: पहले 1000 दिन बच्चे के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए के लिए एक ठोस नींव रखते हैं। इस अवधि के दौरान, बच्चे को सही पोषण, उत्तेजना, प्यार और समर्थन की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय ईविधान एप्लिकेशन-

संदर्भ: 'वन नेशनवन एप्लीकेशन-' को 'राष्ट्रीय ईविधान एप्लिकेशन-' (National eVidhan Application – NeVA) का उपयोग करके लागू किया जा रहा है।
'राष्ट्रीय ईविधान एप्लिकेशन-' (NeVA), देश की सभी विधायिकाओं को एक मंच पर लाने के लिए एक पोर्टल है।

प्रमुख लाभ:

- कागज़ रहित विधान सभाएं (पेपरलेस असेंबली)
- संपूर्ण विधि निर्माण प्रक्रिया का स्वचालन
- क्लाउड टेक्नोलॉजी का उपयोग (मेघराज), यह तकनीक किसी भी समय और कहीं भी डेटा एक्सेस करने की सुविधा प्रदान करती है।
- 'हिमाचल प्रदेश' देश का पहला डिजिटल विधानमंडल है।

NeVA (पहले ई संसदीय कार्य मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत (विधान के रूप में जाना जाता था- एक'मिशन मोड प्रोजेक्ट' है।

रोशनी लालटेन

संदर्भहाल ही में :, केंद्रीय मंत्री द्वारा 'राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान' (National Institute of Ocean Technology – NIOT), चेन्नई द्वारा संचालित और उपयोग किए जाने वाले एक तटीय अनुसंधान पोत 'सागर अन्वेषिका' के भ्रमण के दौरान अपनी तरह की पहली "रोशनी" नाम की लानटेन का अनावरण किया गया था।

रोशनी लालटेन के बारे में:

यह भारत की पहली खारे पानी की एलईडी लालटेन है। इसमें एलईडी लैंप को बिजली देने के लिए इलेक्ट्रोलाइट के रूप में खारे समुद्र के पानी का उपयोग किया जाता है।

निर्माण एवं विकास: राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), चेन्नई

थ्यूसीडिडीज़ ट्रैप

थ्यूसीडिडीज़ ट्रैप, अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक ग्राहम टी एलिसन द्वारा प्रचलित एक 'शब्द' है। 'थ्यूसीडिडीज़ ट्रैप' किसी उभरती हुई शक्ति द्वारा, मौजूदा महान शक्ति को एक क्षेत्रीय या अंतर्राष्ट्रीय आधिपत्य के दर्जे से विस्थापित करने का खतरा उत्पन्न करने के बाद, युद्ध के प्रति एक स्पष्ट प्रवृत्ति का वर्णन करता है।

यह शब्द, मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के बीच संभावित संघर्ष का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ

संदर्भ: हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ ने 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ' (All India Football Federation – AIFF) पर फेडरेशन में अनुचित कानूनी और राजनीतिक हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए इसे निलंबित कर दिया है।

पृष्ठभूमि:

- इस साल मई में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कुप्रबंधन संबंधी मुद्दों के कारण 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ' (AIFF) को भंग कर दिया था और खेल को संचालित करने के लिए 'तीन सदस्यीय समिति' नियुक्त की थी।
- फीफा के नियमों के अनुसार, इसके 'सदस्य संघों' को कानूनी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए।

- प्रभाव: फीफा के इस निर्णय के बाद अंडर-17 महिला विश्व कप का (भारत में अक्टूबर में खेला जाने वाला) आयोजन नहीं हो सकता है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय टीम को अन्य राष्ट्रीय फुटबॉल टीमों में खेलने की अनुमति नहीं होगी।

महिला फुटबॉल में सफलता: केरल राज्य में स्थित एक पेशेवर फुटबॉल टीम 'गोकुलम केरल फुटबाल क्लब' प्रतिष्ठित 'एशियाई फुटबॉल परिसंघ महिला क्लब चैम्पियनशिप' में खेलने वाला पहला भारतीय क्लब बन गया है।

क्वांटम कुंजी वितरण

संदर्भ: 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस' (Innovation for Defense Excellence – iDEX) के तहत, QNu लैब नामक एक स्टार्टअप ने 'क्वांटम कुंजी वितरण' (Quantum Key Distribution – QKD) विकसित किया है।

- क्वांटम कुंजी वितरण, क्वांटम यांत्रिकी के विभिन्न घटकों का उपयोग करके 'सुरक्षित संचार' प्रदान करता है।
- यह प्रद्योगिकी, दो पक्षों को केवल उनके लिये ज्ञात एक 'साझा यादृच्छिक गुप्त कुंजी' (Random Secret Key) उत्पन्न करने में सक्षम बनाती है, जिसका उपयोग संदेशों को कूटबद्ध और विकूट करने के लिये किया जाता है। इस प्रकार दोनों पक्ष परस्पर बहुत ही सुरक्षित संचार कर सकते हैं।

कार्यपद्धति:

क्वांटम कुंजी वितरण एक फाइबर ऑप्टिक केबल पर लाखों ध्रुवीकृत प्रकाश कणों को एक इकाई से दूसरी (फोटॉन) इकाई में संचारित करते हुए कार्य करती है।

- प्रत्येक फोटॉन में एक 'यादृच्छिक क्वांटम स्थिति' (Random Quantum State) होती है, और सामूहिक रूप से सभी फोटॉन 'इकाई और शून्य' (Ones and Zeros) की एक 'बिट स्ट्रीम' बनाते हैं।
- जब कोई फोटॉन अपने प्राप्तकर्ता के पास पहुंचने के दौरान एक 'बीम स्प्लिटर' (Beam Splitter) से होकर यात्रा करता है, यह 'बीम स्प्लिटर' फोटॉन को 'फोटॉन कलेक्टर' में यादृच्छिक रूप से कोई एक मार्ग लेने के लिए मजबूर करता है।
- इसके बाद प्राप्तकर्ता, भेजे गए फोटॉनों के अनुक्रम से संबंधित डेटा से मूल प्रेषक को प्रतिक्रिया देता है, और तब प्रेषक इस प्रतिक्रिया की तुलना प्रत्येक फोटॉन को भेजने वाले 'एमिटर' से करता है।
- गलत 'बीम कलेक्टर' में मौजूद फोटॉन अलग हो जाते हैं, और केवल 'बिट्स' का एक विशिष्ट अनुक्रम शेष बचता है। इस बिट अनुक्रम को तब 'डेटा एन्क्रिप्ट' करने की कुंजी के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

iDEX के बारे में:

'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस' (iDEX), रक्षा उद्योग के आधुनिकीकरण में योगदान करने के लिए सरकार द्वारा 2018 में शुरू की गई एक पहल है।

- इसका उद्देश्य उद्योगों, MSMEs, स्टार्टअप-, व्यक्तिगत नवोन्मेषकों, आरएंडडी संस्थानों और शिक्षाविदों के साथ जुड़कर रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना है।
- इसे रक्षा मंत्रालय के तहत 'रक्षा नवाचार संगठन' (डीआईओ) द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।

पराली दहन से निपटना

संदर्भ: हरियाणा, दिल्ली क्षेत्र में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से, हाल ही में विश्व जैव ईंधन दिवस 10 अगस्त पर स्वदेशी तकनीक पर आधारित नई दूसरी पीढ़ी का एक इथेनॉल संयंत्र शुरू किया गया है।

विवरण:

- यह इथेनॉल संयंत्र, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित किया गया है।
- पानीपत रिफाइनरी के पास स्थित है।
- इसका लक्ष्य सालाना लगभग 3 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पन्न करने के लिए लगभग 2 लाख टन चावल के भूसे का उपयोग करना है। (अपशिष्ट-फसल)

लाभ:

- जैव ईंधन संयंत्र, पराली को बिना जलाए इससे छुटकारा पाने में सक्षम होगा।
- किसानों को सशक्त बनाना और अतिरिक्त आय सृजन का अवसर प्रदान करना।

फसल-अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अन्य पहलें:

- हरियाणा सरकार द्वारा 64.3 मेगावाट की बायोमास बिजली परियोजनाओं की स्थापना की गयी है। ये परियोजनाएं 2.37 लाख मीट्रिक टन धान के भूसे की खपत करती है, जबकि 2.41 लाख मीट्रिक टन पराली का उपयोग अन्य उद्योगों द्वारा किया जा रहा है।
- फसल अपशिष्ट जलाने की घटनाओं के आधार पर गांवों को लाल, पीले और हरे क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जा रहा है।
- हरियाणा फसल अपशिष्ट प्रबंधन के तहत मशीनों पर सब्सिडी प्रदान की जा रही है। (सीआरएम)
- हैप्पी सीडर्स मशीन का उपयोग।

सूअर के कॉलाजन से जैवअभियांत्रिक कॉर्निया-

संदर्भ: सूअर के कॉलाजन से जैवअभियांत्रिकीकृत-कॉर्निया, दृष्टिनज़र को बहाल कर सकता है।

- पहली बार, स्वीडन में शोधकर्ताओं ने दृष्टि नज़र को ठीक करने के लिए एक सफल विकल्प /– सुअर की त्वचा से प्राप्त कॉलाजन से निर्मित बायोइंजीनियर्ड कॉर्निया प्रत्यारोपण का निर्माण करने -में सफलता हासिल की है।

- प्रत्यारोपण का उपयोग भारत और ईरान में 20 लोगों की नज़र को सफलतापूर्वक ठीक करने के लिए किया गया था। इन रोगियों में से अधिकांश केराटोकोनस के कारण अंधे हो गए थे। केराटोकोनस एक ऐसी बीमारी होती है, जो कॉर्निया को पतला कर देती है।

निपुण माइंस, लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट (LCA) और F-INSAS सिस्टम

संदर्भ: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना को F-INSAS, निपुण माइंस और लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट सहित कई नई रक्षा प्रणालियाँ सौंपीं।

F-INSAS प्रणाली:

'फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर एज ए सिस्टम' (F-INSAS), पैदल सेना के आधुनिकीकरण के लिए एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य सैनिक की परिचालन क्षमता को बढ़ाना है। परियोजना के हिस्से के रूप में, सैनिकों को हल्की, हर मौसम में सभी इलाकों, लागत प्रभावी और कम रखरखाव वाली आधुनिक प्रणालियों से लैस किया जा रहा है।

एन्टीपर्सनेल माइन- 'निपुण':

भारतीय सेना लंबे समय से विंटेज एनएमएम 14 माइंस का इस्तेमाल कर रही है। आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, पुणे और भारतीय उद्योग के प्रयासों से 'निपुण' नामक एक नई भारतीय माइन विकसित की गई है। यह सीमाओं पर सैनिकों को प्रदान की जाने वाली सुरक्षा को बढ़ाएगी। यह माइन मौजूदा एन्टी पर्सनेल माइन की तुलना में- अधिक शक्तिशाली एवं प्रभावी है।

लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट (LCA):

पैंगोंग त्सो झील में सेना की कई नावें कार्यरत हैं हालांकि उनकी क्षमताएँ सीमित हैं। LCA एक से अधिक भूमिकाएं निभाने में सक्षम है और इसने लॉच, गति और क्षमता से संबंधित सीमाओं को पार कर लिया है। इसने पूर्वी लद्दाख में पानी की बाधाओं को पार करने की क्षमता को बढ़ाया है। LCA को मैसर्स एक्वेरियस शिप यार्ड लिमिटेड, गोवा द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।

उड़ान योजना

- संदर्भ: नागर विमानन मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक – UDAN) ने अपनी सफलता के 5 वर्ष पूरे कर लिये हैं। 27 अप्रैल, 2017 को प्रधानमंत्री ने इसकी पहली उड़ान शुरू की थी।
- योजना की शुरुआत आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 2016 को हुई थी।
- उद्देश्य: इस योजना का उद्देश्य अप्रयुक्त और कम उपयोग वाले हवाई अड्डों के पुनरुद्धार के माध्यम से टियर -2 और टियर -3 शहरों ज्यादातर कम सेवा वाले या असेवित क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करना (है।

विशेषताएँ:

- इस योजना के तहत, UDAN की फ्लाइट्स में लगभग आधी सीटें रियायती किराए पर दी जाती हैं, और भाग लेने वाले कैरीएर्स को एक निश्चित राशि की 'व्यवहार्यता अंतराल निधि' (viability gap funding– VGF) प्रदान की जाती है, जोकि केंद्र और संबंधित राज्यों के मध्य साझा की जाती है।
- इस योजना को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाएगा।
- यह योजना 10 साल तक जारी रहेगी और बाद में इसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

तलाकए-हसन-

संदर्भहाल ही में :, सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि 'तलाकहसन-ए-' (Talaq-e-Hasan) की प्रथा इतनी अनुचित नहीं है।

पृष्ठभूमि:

- शीर्ष अदालत में तलाक के निर्धारित इस्लामी तरीके 'तलाकहसन-ए-' को गैर कानूनी-बनाने के लिए एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका के अनुसार, यह संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 और 25 का उल्लंघन है।
- सरकार द्वारा वर्ष 2019 में तत्काल तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। (बिद्दत-ए-तलाक)

तलाक के तरीके:

- तलाकअहसान-ए- (Talaq-e-Ahsan): इसमें 'तीन तलाक' के तहत तीन बार 'तलाक' कहने के विपरीत एक बार तलाक कहा जाता है, और यह 'एकल प्रतिसंहरणीय तलाक' (single revocable divorce) होता है। तलाक अहसान-ए- में पति एकतरफा तलाक देता है। इसके बाद, एक महिला को 'इद्दत' या 'तीन महीने की प्रतीक्षा अवधि' से गुजरना पड़ता है।
- तलाकहसन-ए- (Talaq-e-Hasan): एक मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को हर महीने एक बार)3 महीने में तीन बार (तलाक बोलकर'तलाक' दे सकता है। इसे लगभग सभी मुस्लिम देशों में कानूनी वैधता प्राप्त है।

मंथन पोर्टल

संदर्भ: मंथन पोर्टल को भारत के संधारणीयता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 'उद्योग और वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग' को बढ़ावा देने के लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा लॉन्च किया गया है।

- कार्यक्रमज्ञान हस्तांतरण :, इंटरैक्टिव सत्र, नए नवाचारों पर प्रदर्शनियां।
- यह प्लेटफॉर्म NSEIT भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की 100% सहायक कंपनीद्वारा संचालित है।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार : वह वैज्ञानिक नीति से संबंधित मामलों पर सरकार के मुख्य सलाहकार होते हैं और सचिव स्तर के पद के समकक्ष होते हैं।

- प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद के माध्यम से 'प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय' मंत्रालयों, संस्थानों और उद्योग में वैज्ञानिक क्रॉससेक्टरल तालमेल में मदद करता है।-
- देश में पहले प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार 'ए.जे.पी. अब्दुल कलाम' (1999-2002) थे।

अर्थ गंगा

संदर्भ जल शक्ति मंत्रालय ने नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत :'अर्थ गंगा' के अंतर्गत नई पहलों का अनावरण किया। 'अर्थ गंगा' (Arth Ganga) का उद्देश्य गंगा नदी के किनारे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

ये नई पहले निम्नलिखित हैं:

- जलज पहल (गंगा संरक्षण के साथ कौशल वृद्धि(
- सहकार भारती (सार्वजनिक भागीदारी से सतत आर्थिक विकास(
- आईएमअवतार (आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देता है)
- CLAP पर नया कोर्स 'रिवर चैंप।

निरंतर शिक्षा और गतिविधि पोर्टल (continuous learning and activity portal – CLAP) भारत में नदी संरक्षण के बारे में जागरूकता, कार्रवाई और बहस बढ़ाने के लिए एक ऑनलाइन मंच है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के बारे में

- नमामि गंगे कार्यक्रम की शुरुआत, वर्ष 2014 में राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन, संरक्षण और कायाकल्प के दोहरे उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया था।
- इस कार्यक्रम को जल शक्ति मंत्रालय के तहत और विश्व बैंक के सहयोग से शुरू किया गया है।
- कार्यान्वयन: 'राष्ट्रीय गंगा परिषद' (प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में एक dicision लेने वाली संस्थान है। और, इसका कार्यान्वयन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और इसके राज्य के समकक्ष संगठनों यानी राज्य कार्यक्रम प्रबंधन समूहों द्वारा किया जाता है।
- वित्त पोषण: केंद्र द्वारा वित्तपोषित-, गैर व्यपगत कोष।
- नमामि गंगे कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ: सीवरेज ट्रीटमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, नदीसतह की सफाई-, वनरोपण, औद्योगिक अपशिष्ट निगरानी, नदीफ्रंट विकास-, जैवविविधता-, जन जागरूकता, गंगा ग्राम।

गंगा के बारे में:

- गंगा भारत की सबसे लंबी नदी (2525 किमी) है और साथ ही गोदावरी (1455 किमी की सबसे बड़ी नदी है)
- प्रवाहित राज्य: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल।
- प्रवाह के हिसाब से गंगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नदी है।

- गंगा नदी का मुहाना दुनिया का सबसे बड़ा डेल्टा बनाता है, जिसे सुंदरबन के नाम से जाना जाता है, और 1997 में यूनेस्को द्वारा इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

अनाज भंडारण

संदर्भ: 80 से अधिक स्थानों पर 'निजीसार्वजनिक भागीदारी-' (PPP) मोड के तहत 'अनाज कोठारों' (अनाज को स्टोर करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लंबा टॉवर या गड्ढा के विकास के लिए एक नया मॉडल प्रस्तावित किया (गया है।

- 'अनाज कोठारों' (Grain Silos) को किसानों के लिए खरीद और परिवहन लागत को आसान बनाते हुए 'उप मंडी-यार्ड' के रूप में घोषित किया गया है।
- 'निजीसार्वजनिक भागीदारी-' (PPP) मॉडलडिजाइन :, निर्माण, स्वामित्व और हस्तांतरण (Design, Build, Fund, Own and Transfer – DBFOT) मॉडल में भूमि पर 'भारतीय खाद्य निगम' का स्वामित्व रहता है, और डिजाइन, निर्माण, स्वामित्व और परिचालन (Design, Build, Fund, Own and Operate – DBFOO) मॉडल में भूमि निजी संस्थाओं की होती है।

अनाज भंडारण के लिए सरकार के कदम:

- PEG योजना: निजी उद्यमियों की गारंटी के तहत 'भारतीय खाद्य निगम' द्वारा निजी क्षेत्र के माध्यम से नए गोदामों का निर्माण किया जाता है।
- पीएम संपदा योजना के तहत कोल्ड चेन, मूल्य संवर्धन और संरक्षण अवसंरचनाओं का निर्माण।
- ग्रामीण भंडारण योजना: पूंजी निवेश सब्सिडी का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों में गोदामों के निर्माण और नवीनीकरण।

कीटनाशक

संदर्भ: कीटनाशक कार्रवाई नेटवर्क (Pesticide Action Network – PAN) के अनुसार, कई राज्यों द्वारा कुछ कीटनाशकों (Pesticides) का अनुशंसित मात्रा से अधिक का उपयोग किया जा रहा है।

रिपोर्ट किए गए कीटनाशक:

- फिप्रोनिल : चींटियों, भृंगों और पिस्सू को नियंत्रित करने के लिए।
- एट्राज़िन घासों और खरपतवारों के उभरने से पहले उन्हें नियंत्रित करने के लिए।
- पैराक्वाट घास और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए एक शाकनाशी।

पृष्ठभूमि:

अनुपम वर्मा समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने 'कीटनाशक (निषेध) आदेश', 2018 को अधिसूचित किया था जिसके तहत 18 कीटनाशकों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

पेस्टिसाइड एक्शन नेटवर्क (PAN) के बारे में:

कीटनाशक कार्रवाई नेटवर्क "लगभग 60 देशों में लगभग 600 गैर सरकारी संगठनों, नागरिकों के समूहों और व्यक्तियों का एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन है।" यह समूह, कीटनाशकों के उपयोग का विरोध करता है, और अधिक पारिस्थितिक रूप से उचित विकल्पों की वकालत करता है।

कम्पोस्टेबल प्लास्टिक

संदर्भकेंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा :
"कम्पोस्ट किए जाने योग्य कंपोस्टेब प्लास्टिक के व्यावसायीकरण के लिए स्टार्टअप ऋण को मंजूरी दी गयी है और 'सिंगल यूज प्लास्टिक' (SUP) के उपयोग को कम करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

यह कार्यक्रम 'निधिप्रयास योजना-' (NIDHI-PRAYAS Scheme), नीति आयोग और यूनिडो द्वारा समर्थित है।

- नवाचारों के विकास और दोहन के लिए राष्ट्रीय पहल 'निधि' (National Initiative for developing and harnessing innovations – NIDHI): इनक्यूबेटर, बीज निधि, त्वरक और 'अवधारणा का प्रमाण' स्थापित करने के लिए।
- युवा और महत्वाकांक्षी नवोन्मेषकों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और तेज करना अर्थात 'प्रयास' (Promoting and Accelerating Young and Aspiring innovators and Startups – PRAYAS): निधि योजना के तहत नवोन्मेषकों और उद्यमियों को प्रयास अनुदान के साथ प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए समर्थन देना।

भारत में जुलाई 2022 से 'सिंगल यूज प्लास्टिक' पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कम्पोस्टेबल प्लास्टिक: पेट्रोकेमिकल्स और जीवाश्म ईंधन से बने प्लास्टिक का उपयोग करने के बजाय, कंपोस्टेबल प्लास्टिक मकई, आलू, टैपिओका स्टार्च, सेल्युलोज, सोया प्रोटीन और लैक्टिक एसिड जैसे नवीकरणीय सामग्रियों से निर्मित की जाती है।

पेट्रोलियम कोक

संदर्भ: भारत द्वारा कोयले की उच्च कीमतों के कारण 'कोयले की जगह वेनेजुएला से रियायती दामों पर 'पेट्रोलियम कोक' (Petroleum coke) खरीदा जा रहा है।

- पेट्रोलियम कोक या पेट कोक)– Pet Coke) तेल शोधन से प्राप्त 'कार्बन युक्त ठोस पदार्थ' होता है।
- विशेषताएँ: एक टन पेटकोक, कोयले की तुलना में अधिक महंगा होता है, लेकिन जलाने पर अधिक ऊर्जा उत्पन्न करता है। यह आमतौर पर जहरीले उत्सर्जन के कारण ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन सीमेंट उद्योग में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। सीमेंट उद्योग, पेटकोक का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।
- उपयोग: सीमेंट, चूना, एल्युमिना आदि उद्योगों में इसका ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।
- इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर क्षेत्रों में पेटकोक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। (दिल्ली)

- पहला शिपमेंट: भारत को 2022 की शुरुआत में वेनेजुएला से अपना पहला कार्गो प्राप्त हुआ था। इसके अलावा, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब पर प्रमुख पेटकोक आपूर्तिकर्ताओं के रूप में निर्भर है।

पीएम 2.5 प्रदूषण

संदर्भ: 'शहरों में वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर PM2.5 प्रदूषण में दिल्ली और कोलकाता क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर है।

यह रिपोर्ट अमेरिका स्थित शोध संगठन हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर इनिशिएटिव द्वारा **प्रकाशित की गयी है।**

निष्कर्ष:

- दिल्ली में PM5 का 110 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर (µg/m³) का 'वार्षिक जोखिम स्तर' रहा है।
- WHO की सिफारिश :PM5 की वार्षिक औसत सांद्रता 5 ug/m 3 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- पीएम2.5 के '84 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर' के साथ कोलकाता दूसरे स्थान पर रहा।
- NO2 के कारण सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 'शंघाई' सबसे आगे है।

एक्सपोजर की प्रवृत्ति:

- PM5: रिपोर्ट में पाया गया कि PM2.5 प्रदूषण का जोखिम निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्थित शहरों में अधिक था।
- NO2: NO2 का एक्सपोजर उच्चआय वाले-साथ निम्न और मध्यम-आय के साथ- देशों के शहरों में अधिक पाया गया।
- कारण: NO2 मुख्य रूप से पुराने वाहनों, बिजली संयंत्रों, औद्योगिक सुविधाओं और आवासीय खाना पकाने और हीटिंग में ईंधन के जलने से उत्पन्न होता है।
- चूंकि शहर के निवासी घनी यातायात वाली व्यस्त सड़कों के करीब रहते हैं, वे अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों की तुलना में अधिक NO2 प्रदूषण के संपर्क में आते हैं।
- प्रभाव: 2019 में, PM5 के संपर्क में आने से 1.7 मिलियन मौतें हुईं

मेडिसिन फ्रॉम द स्काई प्रोजेक्ट

- अरुणाचल प्रदेश में, विश्व आर्थिक मंच)WEF) के सहयोग से "मेडिसिन फ्रॉम द स्काई प्रोजेक्ट" सहित स्वास्थ्य, कृषि और आपदा प्रबंधन में ड्रोन का उपयोग करने की पायलट परियोजना शुरू की जा रही है।
- ड्रोन सेवा की पहली उड़ान 'सेप्पा' से पूर्वी कामेंग जिले के 'च्यांग ताजो' तक की गई। यह परियोजना भारत को दुनिया के ड्रोन हब में बदलने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित है।

पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी

संदर्भ: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "पेटेंट कार्यालयों के अलावा, उपयोगकर्ताओं के लिए भी पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (Traditional Knowledge Digital Library – TKDL) डेटाबेस तक पहुंच का विस्तार करने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले TKDL डेटाबेस तक पहुंच खोज और परीक्षा के लिए 14 पेटेंट कार्यालयों तक सीमित थी।

- पारंपरिक ज्ञान: पारंपरिक ज्ञान से तात्पर्य, सदियों से प्राप्त अनुभव से विकसित और स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण के अनुकूल देशज् लोगों के ज्ञान, नवाचारों और पद्धतियों से है।
- पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और बनाए रखने तथा इसके लाभों के समान बंटवारे के लिए, सरकार ने 'जैविक विविधता अधिनियम' 2002 अधिनियमित किया है। भारत, 'जैव विविधता अभिसमय' और 'नागोया प्रोटोकॉल' का एक हस्ताक्षरकर्ता भी है।

TKDL के बारे में:

पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी 2001 में स्थापित भारतीय पारंपरिक ज्ञान का एक प्राथमिक डेटाबेस है।

- इसे वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और भारतीय चिकित्सा प्रणाली व होम्योपैथी विभाग आयुष द्वारा मंत्रालयसंयुक्त रूप से स्थापित किया गया था।
- TKDL में वर्तमान में आईएसएम से संबंधित मौजूदा साहित्य जैसे आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और योग शामिल है।
- जानकारी व ज्ञान को पांच अंतरराष्ट्रीय भाषाओं – अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, जापानी और स्पेनिशडिजिटल प्रार में प्रस्तुत किया गया है
- उद्देश्य चोरी के खिलाफ देश के पारंपरिक औषधीय ज्ञान के दुरुपयोग-यह दुनिया भर में पेटेंट कराकर या जैव : को रोकने का प्रयास करता है।

मेगालोडन शार्क

त्रिआयामी मॉडल बनाने के लिए जीवाश्म साक्ष्य का उपयोग करते हुए-, शोधकर्ताओं ने अब तक के सबसे बड़े शिकारी जानवरों में से एक – 'मेगालोडन शार्क' (Megalodon Shark) के जीवन के बारे में नए साक्ष्य पाए हैं।

- 'मेगालोडन शार्क' अनुमानित 23 मिलियन से 2.6 मिलियन वर्ष पहले महासागरों में पायी जाती थी।
- मेगालोडन, किलर व्हेल जैसे विशालकाय जीवों को मुश्किल से चार) पांच कौरों-bites) में निगल जाती थी।
- अध्ययन के अनुसार, मेगालोडन आकार में, सिर से पूंछ तक लगभग एक स्कूल बस के बराबर 50 फीट लंबी होती थी। इसकी तुलना में, वर्तमान के ग्रेट सफेद शार्क लगभग 15 फीट की अधिकतम लंबाई तक बढ़ सकते हैं। अपने डिजिटल मॉडल का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि विशाल ट्रांसोसेनिक शिकारी जीव का वजन लगभग 70 टन – या 10 हाथियों के बराबर रहा होगा।

विलुप्त तस्मानियाई बाघ को पुनर्जीवित करने हेतु प्रोजेक्ट

संदर्भ: अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने 'थायलासीन' (Thylacine) या 'तस्मानियाई टाइगर' (Tasmanian Tiger) को जीन संपादन तकनीक का उपयोग करके पुनर्जीवित करने के लिए-15 मिलियन डॉलर की एक परियोजना शुरू की है।

- 'तस्मानियाई टाइगर' एक शिशुधानीस्तनी (मार्सुपियल /marsupial) जीव होता है, यह जीव 1930 के दशक में विलुप्त हो गया था।
- तस्मानियाई बाघ थायलासिनस सायनोसेफालस–आधुनिक समय में जीवित रहने वाला 'थायलासिनिडे परिवार' का एकमात्र जानवर था।
- शिशुधानीस्तनी या मार्सुपियल ऐसे स्तनपायी जीव होते है, जो एक थैली में अपने बच्चों को पालते हैं।
- तस्मानियाई बाघ धीमी गति वाले मांसाहारी जीव थे, जो आमतौर पर रात में अकेले या जोड़े में शिकार करते थे। इस तेज पंजे वाले जीव का सिर कुत्ते जैसा था और कंगारू, अन्य मार्सुपियल्स, छोटे कृन्तकों और पक्षियों को खाता था।
- तस्मानियाई बाघ, खाद्य श्रृंखला में शीर्ष पर था, और इसलिए यह जीव कमजोर जानवरों को हटाकर और प्रजातियों की विविधता को बनाए रखने के द्वारा अपने आवास के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। चूंकि 'थायलासीन' अपने पारिस्थितिकी तंत्र में एकमात्र शीर्ष शिकारी जीव था, इनकी अनुपस्थिति ने 'तस्मानियाई डेविल' को प्रभावित किया और चेहरे के ट्यूमर की बीमारी से इस जीव का लगभग विनाश हो गया था।

महामारी संधि

संदर्भ :WHO ने एक 'महामारी संधि' (Pandemic Treaty) का मसौदा तैयार करने और समझौता वार्ता करने के लिए एक अंतर सरकारी वार्ता निकाय की स्थापना की है।-'विश्व स्वास्थ्य संगठन' का कहना है कि 'महामारी संधि' का मसौदा अगले 18 महीनों में तैयार हो जाएगा और भविष्य में होने वाली वैश्विक स्वास्थ्य आपदाओं को रोकने में मदद करेगा।

'महामारी संधि' के बारे में:

'स्वास्थ्य सभा' (Health Assembly) द्वारा वर्ष 1948 में अपनी स्थापना के बाद से दिसंबर 2021 में अपने दूसरे विशेष सत्र में "द वर्ल्ड टुगेदर" शीर्षक से एक निर्णय पारित किया गया था।

- निर्णय के तहत, स्वास्थ्य संगठन द्वारा WHO संविधान के अनुच्छेद 19 के अनुपालन में, 'महामारी संधि' की सामग्री का मसौदा तैयार करने और वार्ता करने हेतु एक अंतर सरकारी वार्ता निकाय (Intergovernmental Negotiating Body – INB) की स्थापना की गयी थी।
- 'महामारी संधि' में उभरते हुए वायरस के डेटा साझाकरण और जीनोम अनुक्रमण और टीकों और दवाओं के समान वितरण और दुनिया भर में संबंधित अनुसंधान जैसे पहलुओं को शामिल करने की उम्मीद है।

आवश्यकता:

- कोविड-19 महामारी के समाधान में अब तक टीकों का असमान वितरण देखा गया है, और गरीब देश निवारक दवा प्राप्त करने के लिए दूसरों की दया पर निर्भर रहे हैं।
- अधिकांश देशों द्वारा "पहले मैं" (Me-First) का दृष्टिकोण अपनाया गया, जोकि वैश्विक महामारी से निपटने का एक प्रभावी तरीका नहीं है।

संशोधित ब्याज अनुदान योजना

संदर्भ: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सभी वित्तीय संस्थानों के लिए लघु अवधि के कृषि ऋणों पर ब्याज अनुदान को बहाल कर 1.5 प्रतिशत करने की मंजूरी दे दी है।

इस प्रकार 1.5 प्रतिशत का 'ब्याज अनुदान' (Interest Subventions) उधार देने वाले सभी वित्तीय संस्थानों को(बैंकों) किसानों को वर्ष2022-23 से 2024-25 तक 3 लाख रुपये तक के लघु अवधि के कृषि ऋण देने के लिए प्रदान किया गया है।

'ब्याज अनुदान' क्या है:

- 'ब्याज अनुदान' (Interest Subventions) वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण पर चुकाए जाने वाले कुल ब्याज में से कुछ प्रतिशत ब्याज की छूट का एक रूप होता है।
- उदाहरण के लिए, यदि बैंक किसानों को 8.5 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्रदान करते हैं। और अगर सरकार 1.5% का 'ब्याज अनुदान' प्रदान करती है, तो किसानों को बैंक को केवल 7% ब्याज दर का भुगतान करना होगा। इस अंतर का भुगतान सरकार द्वारा 'सब्सिडी' के रूप में किया जाएगा।

संशोधित ब्याज अनुदान योजना (MISS) के बारे में:

- संशोधित ब्याज अनुदान योजना (Modified Interest Subvention scheme – MISS) के तहत, बैंकों द्वारा सभी कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए 7% प्रति वर्ष की दर से 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण प्रदान किया जाता है।
- ऋणों के शीघ्र पुनर्भुगतान के लिए: देय दिनांक से पहले ऋण चुकाने वाले किसानों को अतिरिक्त 3% 'ब्याज अनुदान' दिया जाता है, यानी कि, उन्हें केवल 4% ब्याज दर का भुगतान करना होगा।
- अनुदानकेंद्र द्वारा शत प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। :
- नोडल एजेंसीनाबार्ड और आरबीआई :

ब्याज अनुदान के लिए अन्य योजनाएं: किसान क्रेडिट कार्ड, एग्री मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को रियायती ऋणऔर पीएम फसल बीमा योजना।

'समकारी लेवी' (Equalisation Levy):

यह विदेशी डिजिटल कंपनियों पर लगाया जाने वाला एक 'कर' है। यह कर वर्ष 2016 से लागू है।

- गूगल और अन्य विदेशी ऑनलाइन विज्ञापन सेवा प्रदाताओं पर ऑनलाइन विज्ञापनों हेतु प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक के भुगतान पर 6% समकारी लेवी लागू है।
- वित्त अधिनियम, 2020 में संशोधन के पश्चात समकारी लेवी के दायरे का विस्तार किया गया है, अब इसे वस्तुओं की ऑनलाइन बिक्री तथा ऑनलाइन सेवा प्रदान करने वाली अनिवासी ई कॉमर्स कंपनियों तक-विस्तारित किया गया है।
- इन कंपनियों पर 2% की दर से समकारी लेवी वसूल की जायेगी तथा यह 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी है।

'डिजिटल टैक्स योजना' क्या है?

सरकार ने 2020-21 के वित्त विधेयक में, अमेज़ॅन और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी विदेशी ई कॉमर्स-कंपनियों और₹2 करोड़ या उससे अधिक का वार्षिक कारोबार करने वाली अन्य कंपनियों के कारोबार और सेवाओं पर 2% डिजिटल सेवा कर लगाया गया था।

G24: इसे 1971 में विकासशील देशों के 'G77 समूह' (Group of 77) के एक चैप्टर के रूप में मौद्रिक और विकासात्मक मुद्दों पर समन्वय के लिए स्थापित किया गया था।

निदान पोर्टल

संदर्भ: हाल ही में, 'नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधियों पर राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस' (National Integrated Database on Arrested narco-offender – NIDAAN) क्रियाशील हो गया है।

विनबैक्स 2022

संदर्भ: वियतनामभारत द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास विनबैक्स 2022 (exercise Vinbax 2022) चंडीमंदिर में (हरियाणा) संपन्न हुआ।

- यह अभ्यास 01 अगस्त को शुरू हुआ था और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान में सेना के इंजीनियर और चिकित्सा टीमों की तैनाती पर केंद्रित था।
- उद्देश्य: इसका उद्देश्य भारतीय सेना और वियतनाम पीपुल्स आर्मी के बीच आपसी विश्वास, और अंतःक्रियाशीलता को मजबूत करना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाना है।
- पहली बार वियतनाम पीपुल्स आर्मी का किसी विदेशी सेना के साथ फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास था। (वीपीए)

अनुसूचित जातियों के लिए विकास कार्य योजना

संदर्भ: वित्त मंत्रालय द्वारा 8 मंत्रालयों के तहत 'अनुसूचित जातियों के लिए विकास कार्य योजना' (Development Action Plan for Scheduled Castes – DAPSC) द्वारा 'अव्ययित' (unspent) अनुसूचित जाति कल्याण निधि को वापस लेकर 'सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय'(MoSJE) को पुनः आवंटित किया जाएगा।

'सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय' इस निधि का उपयोग अनुसूचित जाति के बुनियादी ढांचे के विकास और आय:सृजन योजनाओं के लिए करेगा जैसेकि-

- डॉ अम्बेडकर उत्सव धाम (गांवों में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए);
- प्रधानमंत्री अमृत जलधारा (सिंचाई सुविधाओं के विकास के लिए अनुसूचित जाति के जमींदारों को सहायता);
- प्रधानमंत्री युवा उद्यमी योजनाएं (PM young Entrepreneurs Schemes: PM-YES) (गांवों में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर जैसे रसद में सुधार के लिए)
- सेवा गतिविधियों में लगे अनुसूचित जाति के उद्यमियों को सहायता

DAPSC के बारे में: 'अनुसूचित जातियों के लिए विकास कार्य योजना' (DAPSC) एक व्यापक कार्यक्रम है जिसमें अनुसूचित जाति के सामाजिक और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों द्वारा संचालित कई योजनाएं शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परिवहन मंच

संदर्भ: भारतीय परिवहन क्षेत्र में 'अंतर्राष्ट्रीय परिवहन मंच' (International Transport Forum – ITF) गतिविधियों का समर्थन करने के लिए भारतफ्रांस अनुबंध को कैबिनेट की मंजूरी।-

- 64 सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय परिवहन मंच 'आर्थिक सहयोग और विकास संगठन' (OECD) में एक अंतर सरकारी संगठन है। यह परिवहन नीति के लिए एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है और परिवहन मंत्रियों के वार्षिक शिखर सम्मेलन का आयोजन करता है।
- आईटीएफ सभी परिवहन साधनों को कवर करने वाला एकमात्र वैश्विक निकाय है।
- आईटीएफ, प्रशासनिक रूप से OECD के साथ एकीकृत है, फिर भी राजनीतिक रूप से स्वायत्त है।

UPI का वैश्विक विस्तार जारी और यूनाइटेड किंगडम के बाजार में प्रवेश

संदर्भ: भारत के बाहर अपने विस्तार को जारी रखते हुए, स्वदेशी रूप से विकसित 'रीयलटाइम भुगतान समाधान-' UPI अब क्यूआर कोडआधारित लेनदेन के साथ यूनाइटेड किंगडम के बाजार में प्रवेश करेगा।-

- यूनाइटेड किंगडम, आठवां देश होगा जहां यूपीआई आधारित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। संयुक्त अरब अमीरात, जापान, अमेरिका, सिंगापुर, भूटान, नेपाल और फ्रांस पहले से ही यूपीआईआधारित भुगतान सेवाओं को-स्वीकार कर रहे हैं।

पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन

संदर्भ विद्युत मंत्रालय के अधीन :'पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन' (POSOCO) ने 13 राज्य DISCOMs को 'हाजिर बाजार' (spot market) से बिजली खरीदने और बेचने पर रोक लगा दी है।

- कारण: DISCOMs द्वारा बिजली उत्पादकों को समय पर बिल का भुगतान नहीं करना।
- POSOCO ने नियम (देर से भुगतान अधिभार और संबंधित मामले) बिजली (पहली बार)2022 को DISCOMs पर रोक लगाने के लिए लागू किया है।
- DISCOMs के साथ जुड़े मुद्दे: राजनीतिक हस्तक्षेप, टैरिफ का आवधिक संशोधन नहीं, राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी आवंटन में देरी, बकाया की वसूली संबंधी मुद्दे। (विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से)
- उत्पादन कंपनियों से जुड़े मुद्देडिस्कॉम द्वारा भुगतान में देरी से उत्पादन कंपनियां कर्ज के जाल में फंस जाती : हैं, क्योंकि उन्हें अपना संचालन जारी रखने के लिए पैसे उधार लेने पड़ते हैं।

'उज्जवल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना' भारत की बिजली वितरण कंपनियों के लिए वित्तीय बदलाव और पुनरुद्धार पैकेज है।

सरकार ने UDAY 2.0 की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाना, DISCOMs द्वारा शीघ्र भुगतान करना, अल्पावधि के लिए कोयला उपलब्ध कराना और गैस आधारित संयंत्रों को पुनर्जीवित करना है।

हर घर जल

संदर्भ: गोवा, देश में 'हर घर जल' से प्रमाणित होने वाला पहला राज्य बन गया है।
प्रक्रिया: गांव में हर घर नल के पानी से जुड़ा होने के बाद, ग्राम सभा एक प्रस्ताव पारित करती है कि एक भी घर नहीं छोड़ा गया है। प्रत्येक गांव के प्रमाणित होने के बाद ही राज्य को 'हर घर जल' घोषित किया जा सकता है।

हर घर जल (Har Ghar Jal) योजना के बारे में:

- इसका उद्देश्य राज्य को 2024 तक हर घर में नल के पानी का कनेक्शन सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।
- जल जीवन मिशन के तहत। (जल शक्ति मंत्रालय)
- स्थिति :52% से अधिक ग्रामीण परिवार अब नल के पानी से जुड़े हैं। 2019 में यह केवल 17% था।

तिलापिया मछली

संदर्भ: डीएसटी के तहत एक वैधानिक निकाय 'प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड' (Technology Development Board – TDB) तिलापिया मछली)Tilapia Fish) के उत्पादन के लिए 'अत्याधुनिक' इज़राइली तकनीक का उपयोग करके अपनी पहली 'एक्वाकल्चर' परियोजना का वित्तपोषण कर रहा है।

प्रभाव: यह भारत में 'नीली क्रांति' का समर्थन करने में मदद करेगा।

तिलापिया मछली:

'तिलपिया' दुनिया में सबसे अधिक उत्पादक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार की जाने वाली खाद्य मछली के रूप में उभरकर सामने आई है।

- मत्स्य विशेषज्ञों ने तिलपिया को इसकी तेजी से वृद्धि होने और कम रखरखाव वाले उत्पारदन के कारण"जलीय चिकन" की उपाधि दी है।
- यह अफ्रीका और मध्य पूर्व की मूल प्रजाति-'सिचलिदाए' (Cichlidae) परिवार से संबंधित है।
- यह मछली विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों के अनुकूल होने का गुण रखती है और इसमें सर्वाहारी भोजन की आदतें होती हैं।
- यह भारत के कुछ हिस्सों में 'आक्रामक' (invasive) भी हो चुकी है।

इस परियोजना के तहत, तिलपिया को इज़राइल से आयातित मूल ब्रूडस्टॉक 'हेर्मोन' से विकसित किया जाएगा।

हेर्मोन तिलपिया के दो चयनित स्ट्रेलन्साकी (उपभेदों)हाइब्रिड है जिनके नाम है और (नर) ओरियोक्रोमिस निलोटिकस - । (मादा) ओरियोक्रोमिस ऑरियस

इन उपभेदों को निम्नलिखित कुछ विशेषताओं के लिए जाना जाता है,

- उच्चो वृद्धिदर
- कम तापमान का प्रतिरोध,
- हल्का आकर्षक रंग,
- केवल नर मछली की सभी हाइब्रिड फ्राई संतान।

प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना: इसका उद्देश्य 'क्लस्टर या क्षेत्रआधारित दृष्टिकोण-' को अपनाना और बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के माध्यम से मत्स्य पालन क्लस्टर बनाना है। इसका लक्ष्य 2024-25 तक मत्स्य क्षेत्र से निर्यात आय को दोगुना करके 1,00,000 करोड़ रुपये करना है।

नीली क्रांति: यह 1960 के दशक के मध्य से आज तक दुनिया भर में जलीय कृषि उद्योग के तीव्र विकास के समय को संदर्भित करता है।

AK-203 राइफलें

संदर्भ रूस संयुक्त उद्यम द्वारा-में भारत (यूपी) अमेठी :AK-203 असॉल्ट राइफलों का निर्माण, रूस यूक्रेन युद्ध के कारण-देरी के बाद, इस वर्ष के अंत तक शुरू हो जाएगा।

एके 203 असॉल्ट राइफल्स के बारे में:

- यह AK-47 राइफल का नवीनतम और सबसे उन्नत संस्करण है।
- यह राइफल्स, भारतीय लघु शस्त्र प्रणाली असॉल्ट राइफल वर्तमान में सेना), नौसेना और वायु सेना द्वारा उपयोग की जा रही है को (प्रतिस्थापित कर सकती हैं।
- ये राइफलें एक प्रकार की कलाश्निकोव राइफल हैं, जो चरम जलवायु परिस्थितियों में काम कर सकती हैं और रेत, मिट्टी और पानी में भी प्रभावी हैं।
- INSAS राइफल्स के साथ मुद्दे यह उच्च ऊंचाई पर उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है। इन राइफलों के साथ :कई अन्य मुद्दों में गन जैमिंग, तेल रिसाव आदि शामिल हैं।

अन्य भारत:रूस द्विपक्षीय परियोजनाएं-

- T-90 टैंकों का स्वदेशी उत्पादन
- सुखोई-30-एमकेआई विमान
- मिग-29-के विमान की आपूर्ति
- कामोव-31 और एमआई-17 हेलीकॉप्टर
- मिग-29 वायुयान का उन्नयन
- मल्टी बैरल राकेट लांचर स्मर्च की आपूर्ति।
- सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें

राजस्थान स्पेशल

राजस्थान के प्रमुख किले

आमेर का किला

- आमेर का किला जयपुर, राजस्थान के उपनगर आमेर में जयपुर शहर से 11 किमी. दूर स्थित है।
- निर्माण: 1592
- निर्माण कर्ता: राजा मानसिंह प्रथम तत्पश्चात सवाई जयसिंह द्वारा अनेक योगदान व सुधार
- निर्माण सामग्री: लाल बलुआ पत्थर पाषाण एवं संगमरमर
- यह मुगलों और हिन्दूओं के वास्तुशिल्प का मिलाजुला और अद्वितीय नमूना है।

चित्तौड़गढ़ का दुर्ग

- चित्तौड़गढ़ दुर्ग भारत का सबसे विशाल दुर्ग है।
- इस किले का निर्माण मौर्यवंशीय राजा चित्रांगद ने सातवीं शताब्दी में करवाया था और इसे अपने नाम पर चित्रकूट के रुप में बसाया।
- सन् 738 में गुहिलवंशी राजा बाप्पा रावल ने राजपूताने पर राज्य करने वाले मौर्यवंश के अंतिम शासक मानमोरी को हराकर यह किला अपने अधिकार में कर लिया।
- मालवा के परमार राजा मुंज ने इसे गुहिलवंशियों से छीनकर अपने राज्य में मिला लिया। इस प्रकार 9-10वीं शताब्दी में इस पर परमारों का आधिपत्य रहा।
- चित्तौड़गढ़ किले के बारे में कहा जाता है "गढ़ तो चित्तौड़गढ़ और सब गढ़ैया"

मेहरानगढ़ का किला

- मेहरानगढ़ का किला जोधपुर में स्थित है।
- राव जोधा ने 12 मई 1459 को इस पहाडी पर किले की नीव डाली महाराज जसवंत सिंह (1638-78) ने इसे पूरा किया।
- मूल रूप से किले के सात द्वार (पोल) (आठवाँ द्वार गुप्त है) हैं। प्रथम द्वार पर हाथियों के हमले से बचाव के लिए नुकीली कीलें लगी हैं।
- पन्द्रहवी शताब्दी का यह विशालकाय किला, पथरीली चट्टान पहाड़ी (चिड़िया टूंक) पर, मैदान से 125मीटर ऊँचाई पर स्थित हैं।

कुम्भलगढ़ दुर्ग

- यह किला उदयपुर से 70 किमी दूर कुम्भलगढ़, राजसमन्द जिले में स्थित है।

- इस दुर्ग का निर्माण महाराणा कुम्भा ने कराया था। इस किले को 'अजेयगढ' कहा जाता था क्योंकि इस किले पर विजय प्राप्त करना दुष्कर कार्य था।
- इस दुर्ग का निर्माण सम्राट अशोक के द्वितीय पुत्र संप्रति के बनाये दुर्ग के अवशेषों पर 1443 से शुरू होकर 15 वर्षों बाद 1458 में पूरा हुआ था।
- वास्तुशास्त्र के नियमानुसार बने इस दुर्ग में प्रवेश द्वार, प्राचीर, जलाशय, बाहर जाने के लिए संकटकालीन द्वार, महल, मंदिर, आवासीय इमारतें, यज्ञ वेदी, स्तम्भ, छत्रियां आदि बने है।
- माड गायक इस दुर्ग की प्रशंसा में अक्सर गीत गाते है।

रणथंभोर दुर्ग, सवाईमाधोपुर

- रणथंभोर दुर्ग दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग के सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन से 13 कि॰मी॰ दूर रन और थंभ नाम की पहाडियों के बीच समुद्रतल से 481 मीटर ऊंचाई पर 12 कि॰मी॰ की परिधि में बना है।
- इतिहासकारों के अनुसार इस दुर्ग का निर्माण चौहान राजा रणथंबन देव द्वारा 944 में निर्मित मानते है, इस किले का अधिकांश निर्माण कार्य चौहान राजाओं के शासन काल में ही हुआ है।
- रणथंभोर दुर्ग पर आक्रमणों की भी लम्बी दास्तान रही है जिसकी शुरुआत दिल्ली के कुतुबुद्दीन ऐबक से हुई और मुगल बादशाह अकबर तक चलती रही
- दुर्ग के तीनो और पहाडों में प्राकृतिक खाई बनी है जो इस किले की सुरक्षा को मजबूत कर अजेय बनाती है।

जूनागढ़ क़िला बीकानेर

- जूनागढ़ क़िला राजस्थान राज्य के बीकानेर शहर में स्थित है।
- जूनागढ़ क़िले का निर्माण सन् 1588 से 1593 के बीच किया गया था।
- इस किले की स्थापना अकबर की सेना के एक सेनापति राजा राय सिंह ने 1593 में की परन्तु इसे आधुनिक रूप महाराजा गंगा सिंह ने दिया।
- इसमें कई आकर्षक महल हैं, लाल बलुए एवं संगमरमर पत्थर से बने महल प्रांगण, छज्जों, छतरियों व खिड़कियाँ जो सभी इमारतों में फैली हुई है।
- इस क़िले के चारों ओर लगभग 986 मीटर लंबी दीवार के साथ 37 सुरक्षा चौकियाँ भी हैं।
- क़िले को दो मुख्य दरवाज़े हैं, जिसे दौलतपोल और सुरजपोल कहा जाता है। दोलतपोल में सती हुई राजपूत महिलाओं के हाथों की छाप है।
- इस क़िले के अंदर अनेक खुबसूरत महल भी हैं। इनमें से अनूप महल, दिवान-ए-ख़ास, हवा महल, बादल महल, चंद्र महल, फूल महल, रंग महल, दुंगर महल और गंगा महल आदि प्रमुख हैं।

सिटी पैलेस, जयपुर

- सिटी पैलेस का निर्माण महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने 1729 से 1732 ई. के मध्य कराया था।

- राजपूत और मुगल स्थाणपत्य में बना महाराजा का यह राजकीय आवास चन्द्र महल के नाम से विख्यात हुआ।
- सिटी पैलेस जयपुर, राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक तथा पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक महल परिसर है।
- सिटी पैलेस की भवन शैली राजपूत, मुग़ल और यूरोपियन शैलियों का अतुल्य मिश्रण है।
- लाल और गुलाबी सेंडस्टोन से निर्मित इन इमारतों में पत्थर पर की गई बारीक कटाई और दीवारों पर की गई चित्रकारी मन मोह लेती है।

सिटी पैलेस, उदयपुर

- सिटी पैलेस काम्पलेक्स राजस्थान राज्य के ख़ूबसूरत शहर उदयपुर का सबसे आकर्षक पर्यटन स्थल माना जाता है।
- उदयपुर में सिटी पैलेस की स्थासपना 16वीं शताब्दी में आरम्भ हुई।
- सिटी पैलेस को स्थालपित करने का विचार एक संत ने राणा उदयसिंह को दिया था। इस प्रकार यह परिसर 400 वर्षों में बने भवनों का समूह है।
- यह एक भव्य परिसर है। इसे बनाने में 22 राजाओं का योगदान था।
- सिटी पैलेस परिसर में प्रवेश करते ही आपको भव्य 'त्रिपोलिया गेट' दिखेगा।
- इस परिसर में एक जगदीश मंदिर भी है।

लोहागढ़ क़िला, भरतपुर

- इस किले का निर्माता, जाट राजा सूरजमल ने अठारहवीं सदी में किया था ।
- भरतपुर का लोहागढ़ दुर्ग भी ऐसा ही दुर्ग है, जिसने राजस्थान के जाट शासकों का वर्षों तक संरक्षण किया।
- छह बार इस दुर्ग को घेरा गया, लेकिन आखिर शत्रु को हारकर पीछे हटना पड़ा। लोहे जैसी मज़बूती के कारण ही इस दुर्ग को 'लोहागढ़' कहा जाता है।
- सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करने के लिए लोहागढ़ के चारों ओर गहरी खाई खुदवाकर पानी भरवाया गया। आज भी इस दुर्ग के चारों ओर खाई और पानी मौजूद है।
- यह क़िला दो ओर से मिट्टी की दीवारों से सुरक्षित किया गया था। इन मिट्टी की दीवारों पर तोप के गोलों और गोलियों का असर नहीं होता था और इनके अंदर छुपा दुर्ग सुरक्षित रहता था।
- मिट्टी की दीवारों से इतनी पुख्ता सुरक्षा के कारण एक कहावत घर-घर में चल पड़ी थी कि "जाट मिट्टी से भी सुरक्षा के उपाय खोज लेते हैं।"

राजस्थान के किले- महत्वपूर्ण तथ्य:

राजस्थान के 6 किलों को जून 2013 में UNESCO विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया है।

UNESCO विश्व धरोहर के 6 किले: जयपुर का आमेर किला, चित्तौड़गढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, रणथंभौर किला, गागरौन किला और जैसलमेर किला

अन्य महत्वपूर्ण किले

अचलगढ किला, सिरोही = परमार शासक ने बनवाया (900 ई)

अहिछत्रगढ़ किला, नागौर = चौथी शताब्दी

जालौर दुर्ग, जालौर = परमार राजा ने बनवाया

जयगढ़ दुर्ग, जयपुर= सवाई जयसिंह ने बनवाया (1726)

खिमसर किला, सिरोही = करम सिंह ने बनवाया (सोलहवीं शताब्दी)

नीमराना दुर्ग, अलवर = चौहान शासक ने बनवाया (14वीं शताब्दी)

विजय पैलेस, अलवर = विजयसिंह ने बनवाया (1918)

सावन भादो महल = शाहबाद दुर्ग, बारां

फुलवाड़ी महल = वैर, भरतपुर

गोपाल महल = भरतपुर

सुख महल = बूंदी के जैतसागर झील के किनारे

उम्मीद भवन पैलेस (छीतर पैलेस), जोधपुर = महाराजा

उम्मेदसिंह ने अकाल राहत कार्य के रूप में बनवाया (1928-1940)

हवामहल, जयपुर = सवाई प्रतापसिंह (1799)

सिसोदिया रानी का महल, जयपुर = सवाई जयसिंह (1730)

सज्जनगढ़ पैलेस, उदयपुर = बांसदर्रा पहाड़ी पर स्थित है

राई का बाग़ पैलेस, जोधपुर = जसवंत सिंह-I ने बनवाया (1663)

अबली मीणी का महल, कोटा = मुकुंद सिंह हाड़ा ने बनवाया